IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 5, Issue 2, January 2025

हनुमानगढ़ जिले में ग्रामीण परिवार की महिलाओं के सतत विकास और आजीविका पर एक अध्ययन

लक्ष्मी बाला

शोधार्थी, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर, राजस्थान

डॉ. श्वेता मेहता

शोध निदेशक, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर, राजस्थान

सारांश

महिला सशक्तिकरण किसी भी राष्ट्र के समग्र विकास का प्रतीक है। हमें उन वीर महिलाओं का जश्न मनाना चाहिए और उन्हें सलाम करना चाहिए जो अपने आस-पास की दुनिया को बदल रही हैं और अन्य महिलाओं को भी ऐसा करने के लिए सशक्त बना रही हैं। भारतीय ग्रामीण और शहरी दुनिया में लैंगिक रूढ़ियों को चुनौती देने से लेकर महिलाओं को अपना व्यवसाय बनाने के लिए सिखाने तक, कई संगठनों ने यह सब किया है।

महिलाओं को वित्तीय और बौद्धिक स्वतंत्रता प्रदान करना महिला कल्याण और फ्लोरा फ्लाई जैसी पहल जैसे कई संगठनों द्वारा सबसे प्रेरणादायक पहल है। ऊपर चर्चा किए गए पहलू, उनके जीवन में क्या और कहाँ करने के आत्मविश्वास के अलावा, उन्हें सक्षम बनाते हैं। साथ ही, वे उन्हें सही रास्ता चुनने में मदद करते हैं। इस पेपर का उद्देश्य हनुमानगढ़ जिले में महिलाओं के सतत विकास और आजीविका पर अध्ययन करना है।

कीवर्ड: सतत, विकास, महिलाएँ, संगठन।